हिन्दुस्तानी संगीत में स्नातक(बी0ए0)

<u>उद्देश्य</u> - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के विभिन्न पहलुओं के शास्त्र से अवगत कराना एवं उनका क्रियात्मक ज्ञान प्रदान करना है।

षष्ठम सेमेस्टर हेतु माइनर वोकेशनल कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**भारतीय संगीत शास्त्र**	BAMM(N)**-223**	**50**	**2**
	इकाई 1– संगीत एवं योग का अंतरसंबंध।			
	इकाई 2- गायक एवं वादक के गुण एवं दोष।			
	इकाई 3– भारतीय संगीत में थाट पद्धति।			
	इकाई 4- बृहद्देशी एवं संगीत पारिजात ग्रन्थों का संक्षिप्त अध्ययन।			
	इकाई 5- पाठ्यक्रम के रागों केदार एवं विहाग का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना; पाठ्यक्रम के रागों केदार एवं विहाग में छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत को तानों/तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6- पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं दादरा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना; पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं दादरा ताल के ठेकों को दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
2	***क्रियात्मक एवं मौखिक परीक्षा*** VI	BAMM(N)**-223**	**50**	**2**
द्वितीय खण्ड	इकाई 7– पाठ्यक्रम के रागों केदार एवं विहाग का परिचय।			
	इकाई 8- पाठ्यक्रम के रागों केदार एवं विहाग में छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित।			
	इकाई 9– झपताल का ठेका एवं उनकी वादन विधि।			
	इकाई 10 - दादरा ताल के ठेके के प्रकार एवं उनकी वादन विधि।			
	इकाई 11- पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं दादरा ताल की पढन्त।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं दादरा ताल के ठेकों को दुगुन एवं चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 13 - हारमोनियम वाद्य पर 5 अलंकार तथा गीत/भजन/ गजल प्रदर्शन।			
	इकाई 14 - संबन्धित वाद्य को मिलना एवं उसका रख-रखाव।			
	इकाई 15 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			

राग- केदार एवं विहाग, ***ताल* – झप*ताल* एवं दादरा**